ब्रांडेड कंपनी के नकली शैंपू बनाने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

पकड़े गए युवक आगरा के रहने वाले हैं और एक होटल में नकली शैंपू तैयार कर रहे थे

अजमेर, (कासं)। पुलिस सदर थाना कोतवाली ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अजमेर में ब्रांडेड कंपनियों के नकली शैंपू बनाने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक आगरा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले हैं और खाईलैंड मार्केट स्थित एक होटल में नकली शैंपू तैयार कर रहे थे। पुलिस की इस कार्रवाई से दरगाह इलाके और आसपास के भीड़भाड़ वाले बाजारों में नकली शैंपू बेचने का कालाधंधा उजागर हुआ है।

पुलिस के मुताबिक खाईलैंड मार्केट स्थित एक होटल में आरोपी ब्रांडेड कंपनियों के नकली शैंपू तैयार कर रहे थे। इस गोरखधंधे को चलाने के लिए उन्होंने होटल को अपने ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किया। पुलिस ने मामले में आगरा निवासी गुड्डु, सुल्तान, उस्मानी एवं अन्य युवक को गिरफ्तार किया है। इन युवकों का मुख्य लक्ष्य दरगाह इलाके और आसपास के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नकली शैंपू बेचकर मुनाफा कमाना था। पुलिस ने होटल पर छापा मारते हुए इन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

पुलिस ने ब्रांडेड कंपनियों के नकली शैंपू बनाने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकली शैंपू के कई डिब्बे बरामद किए। ये सभी नकली उत्पाद विभिन्न ब्रांडेड कंपनियों के नाम और लेबल के साथ तैयार किए गए थे, ताकि ग्राहकों को आसानी से भ्रमित किया जा सके।

■ गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकली शैंपू के कई डिब्बे बरामद किए

पुलिस ने बरामद माल को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस की प्राथमिक जांच में आरोपियों का नेटवर्क आगरा (उत्तर प्रदेश) से अजमेर तक फैला हुआ था। युवक आगरा से अजमेर आकर स्थानीय बाजारों में नकली शैंपू बेचने का काम करते थे। पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है और उम्मीद है कि जल्द ही और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

तालाब में ट्रक पलटा, ड्राइवर सहित तीन घायल

अंधेरे में कच्चे रास्ते पर बेकाबू हो गया था ट्रक

पाली, (नि.सं.)। पाली में देर रात को कच्चे रास्ते पर एक ट्रक असंतुलित होकर तालाब में पलट गया। ट्रक में सवार ड्राइवर सहित तीन जने बड़ी मुश्किल से बाहर निकले। गुरुवार सुबह ट्रक और उसमें रखी बड़ी मशीन को बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार पाली के निकट डेंडा गांव रोड का निर्माण कार्य चल रहा है। पीपाड़ से डेंडा पंचों की प्याऊ के पास स्थित कैम्प में बड़ी मशीन ट्रक में लेकर बीकानेर जिला निवासी 59 वर्षीय ड्राइवर जगदीश पुत्र गोपालनाथ आ रहा था। उसके साथ दो कम्पनी के कर्मचारी भी थे।

■ ट्रक और उसमें रखी बड़ी मशीन को क्रेन से बाहर निकाला

मंडली गांव के निकट बुधवार रात करीब एक बजे वे डेंडा की तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते से गुजर रहे थे। इस दौरान अचानक ट्रक अंसतुलित हो गया और सड़क किनारे तालाब में पलट गया। हादसे में ट्रक में सवार तीनों लोग घायल हो गए और बड़ी मुश्किल से ट्रक से बाहर निकले और खुद की जान बचाई। हादसे की सूचना पर रात को ट्रक को तालाब से निकालने के लिए हाइड्रो और क्रेन भी मौके पर बुलाई गई, लेकिन अंधेरा होने के कारण उसे निकालने में कामयाब नहीं हो सके। ऐसे में गुरुवार सुबह तालाब में गिरे ट्रक और उसमें लोड की गई मशीन को निकाला जा सका। इस दौरान खासी भीड़ रही। मामले में मंडल गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता नटवरसिंह ने कहा कि डेंडा रोड बना रही कम्पनी ने निर्माण कार्य के दौरान आने-जाने वाले वाहनों के लिए अलग से वैकल्पिक मार्ग नहीं दिया। ऐसे में वाहन चालकों को कच्चे रास्ते से होकर आना-जाना पड़ रहा है। जिससे हादसे हो रहे हैं।

पाली में कच्चे रास्ते पर ट्रक असंतुलित होकर तालाब में पलट गया।

दुबई से हुए ट्रांजेक्शन मामले में झुंझुनूं के जखोड़ा गांव में ईडी की कार्रवाई

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के जखोड़ा गांव में ईडी की कार्रवाई हुई है। कार्रवाई किस मामले में हुई है। यह पुख्ता जानकारी नहीं मिली है। लेकिन दुबई से हुए पैसों के ट्रांजेक्शन को लेकर यह कार्रवाई किए जाने की खबर मिल रही है। जिसके बाद इस कार्रवाई को मनी लॉड्रिंग के केस से जोड़कर देखा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक जखोड़ा गांव के ग्रामीण डाक सेवक चिरंजीलाल कस्वां के घर पर गुरूवार सुबह करीब छह बजे दो गाड़ियों में सवार होकर एक टीम पहुंची। ईडी की टीम ने अपना परिचय देते हुए नोटिस और घर के सर्च की बात कही। उस वक्त चिरंजीलाल और उसका बेटा जितेंद्र कस्वां समेत परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे। देर रात तक ईडी की टीम घर में सर्च कर रही थी। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि ग्रामीण डाक सेवक चिरंजीलाल कस्वां का बेटा जितेंद्र कस्वां इंजीनियर है। जिसका दुबई और दिल्ली में कारोबार बताया जा रहा है।

■ ग्रामीण डाकसेवक चिरंजीलाल कस्वां के घर पर पहुंची टीम, बेटा जितेंद्र कस्वां ईडी की रडार पर

जितेंद्र भी पिछले कुछ दिनों से गांव आया हुआ था। ईडी की कार्रवाई की सूचना से सुबह से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। ईडी की टीम के साथ आए सीआरपीएफ के जवानों ने घर के अंदर और घर के बाहर पहरा दे रखा है। किसी को भी आने-जाने नहीं दिया जा रहा है। जांच और पूछताछ के दौरान चिरंजीलाल की पत्नी की तबियत भी खराब हो गई बताई। जिसे भी ईडी की टीम अपने साथ अस्पताल लेकर गई और चिकित्सक से ईलाज दिलाकर अपने साथ ही वापिस लाई। यह टीम दिल्ली से आने की सूचना मिल रही है। जिसमें सीआरपीएफ के जवान के अलावा दिल्ली पुलिस की महिला कांस्टेबल समेत करीब 16 सदस्यों के होने की सूचना है। माना जा रहा है कार्रवाई और जांच पूरी होने के बाद ईडी इस मामले का पूरा खुलासा करे। हालांकि अभी तक यह कार्रवाई पूरी तरह से अब तक सवाल बनी हुई है।

जितेंद्र कस्वां की सालभर पहले ही शादी हुई थी। गांव में जितेंद्र कस्वां ने शानदार शादी की थी। उसका छोटी भाई वीरेंद्र कस्वां है। जो खेती बाड़ी करता है और दो बहनें भी है। बीते तीन-चार सालों में ही जितेंद्र कस्वां ने अच्छी खासी कमाई है। जिसके चलते शादी से पहले उसने मकान का भी रिनोवेशन करवाया था। जो गांव में चर्चा का विषय रहा था।

ग्रामीणों की मानें तो ईडी की टीम रात को दो-ढाई बजे ही पहुंच गई थी। जिसके बाद टीम की गाड़ियां गांव के ही बस स्टैंड पर मंदिर के पास खड़ी रही। इसके बाद सुबह छह बजे करीब दोनों गाड़ियां एक साथ चिरंजीलाल कस्वां के घर पहुंची। जहां पर चिरंजीलाल कस्वां ने अपना जखोड़ा गांव का ग्रामीण डाक सेवा का कार्यालय भी खोल रखा है। देर शाम को मंड्रेला पुलिस भी मौके पर पहुंची। जो सुरक्षा के लिहाज से रात तक डटी रही।

पत्नी ने हथाड़े से पति की हत्या की थी, पत्नी व प्रेमी गिरफ्तार

संग्रामपुरा में खेत पर पानी पिलाते व्यक्ति की हत्या का खुलासा

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस थाना कलिंजरा ने ग्राम संग्रामपुरा में खेत पर पानी पिलाते हुए व्यक्ति की हत्या का खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि 25 नवंबर को गौतम पुत्र फूला निनामा निवासी संग्रामपुरा ने रिपोर्ट दी कि सुबह लगभग साढे तीन बजे उसका लड़का जगदीश अपनी पत्नी सीमा के साथ खेत में पानी पिलाने के लिये गया हुआ था। लगभग साढ़े दस बजे सीमा घर आ गई और जगदीश वहीं खेतों में पानी पिला रहा था। उसका दूसरा लड़का दिनेश चार बजे जगदीश को देखने गया तो पता चला कि जगदीश के सिर में गहरी चोट लगी है और सिर लहूलुहान था उसका शव खेत में चारपाई पर पड़ा था। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिये। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल एवं एमओबी टीम के साथ ही डॉग स्क्वॉड की सहायता ली गयी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश तथा एएसपी राजेश भारद्वाज के निर्देशन व वृत्ताधिकारी संदीप सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थाना कलिंजरा की टीम गठित की गयी। इस टीम ने मृतक की पत्नी सीमा को केन्द्र में रखकर मुखबीरी तंत्र तथा मृतक के परिवार के लोगों से पूछताछ की। वहीं सीमा से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गयी।

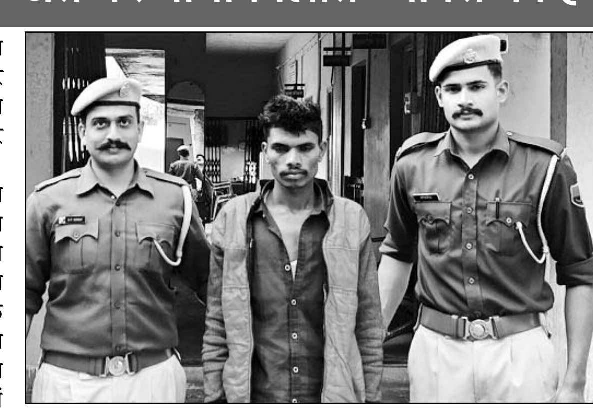

पुलिस ने षड्यंत्र में शामिल प्रेमी को गिरफ्तार किया।

पुलिस टीम ने गहनता से अनुसंधान किया तो पता चला कि मृतक जगदीश की पत्नी सीमा का उसके परिवार के ही महेश पुत्र रमण से प्रेमप्रसंग था जिसके चलते सीमा ने जहरीली दवाई पीकर मरने का प्रयास भी किया था। इधर जगदीश और उसकी पत्नी सीमा में इन संबंधों को लेकर विवाद होते रहते थे। जिसके चलते सीमा ने अपने प्रेमी महेश के साथ मिलकर जगदीश को रास्ते से हटाने की कई बार योजना बनाई, मगर एक ही परिवार के होने के कारण मौका नहीं मिल पा रहा था। घटना के दो दिन पहले जगदीश की हत्या की योजना बनाई और सीमा ने अपने प्रेमी महेश को गुजरात काम पर भेज दिया, क्योंकि यदि महेश गांव में ही रहता तो उस पर हत्या का संदेह जाता। योजना के मुताबिक सीमा अपने साथ हथौड़ी लेकर गयी और जब जगदीश थककर सो गया तो सीमा ने हथौड़ी से जगदीश के सिर पर पांच-छह वार किये और जब उसे विश्वास हो गया कि जगदीश मर गया है तो वो घर पर आकर सो गयी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने सीमा के प्रेमी महेश को भी आपराधिक षड्यंत्र में शामिल पाया एवं उसे राजकोट से दस्तयाब कर पूछताछ कर हत्या के आपराधिक षड्यंत्र में गिरफ्तार किया। वहीं घटना में प्रयुक्त हथौड़ा एवं अन्य सामान सीमा की निशादेही से बरामद किया।

बीसलपुर बांध से पानी की चोरी रोकने हेतु अभियान चलाया

देवली, (निसं)। बीसलपुर परियोजना के अधिकारियों ने अवैध साईफ़नों व इंजिनों के जरिए पानी चोरी करने के मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

परियोजना के अधिशासी अभियंता मनीष बंसल ने जानकारी में बताया कि इन दिनों किसानों के खेतों में फसल की सिंचाई के लिए बीसलपुर बांध की मुख्य एवं सहायक नहरों पानी छोड़ा जा रहा है। ऐसे में कई किसान अवैध रूप से नहर में साइफनों और इंजन लगाकर नियम विरुद्ध नहर से पानी निकल रहे हैं। जिससे गरीब किसान के खेत को पानी मिलाने में दिक्कतें पहुंच रही है। छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की खेतों की फसल को पानी पर्याप्त मात्रा में मिल सके और नहरों में अंतिम छोर तक सिंचाई हेतु पानी पहुंचे सके, इसलिए पानी की चोरी को रोकने हेतु सघन अभियान चलाया गया है, जिसके अंतर्गत सहायक अभियंता जगदीश मीणा व कनिष्ठ अभियंता द्वारा दाखिया बांध की मुख्य नहर पर कार्यवाही करते हुए नौ अवैध साईफनों तथा 5 इंजन के नोजल जप्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त जगह-जगह नहर में लगाए गए अनेकों अवरोधों को भी हटाया गया।

■ सिंचाई के लिए नहरों में छोड़े गए पानी की चोरी के विरुद्ध कार्रवाई की

अधिशासी अभियंता नें बताया कि नहरों से पानी की चोरी को रोकने के लिए यह अभियान आगे भविष्य में भी जारी रहेगा तथा नहर संचालन में व्यवधान उत्पन्न करने वालो के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

54 किलो अवैध डोडा-पोस्त जब्त

मसूदा, (निसं)। मसूदा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 54.620 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त किया है। वहीं पुलिस ने कार जब्त की है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को पुलिस थाना मसूदा गणपत राम उप निरीक्षक ने रामगढ़ से ब्यावर की तरफ तेज गति से जा रही मारुति स्विफ्ट डिजायर कार का पीछा किया तो कर चालक द्वारा पुलिस जीप को पीछे देखकर कर की गति और तेज कर दी थी जिस कारण सरहद देवास में माताजी के मोड पर वहां मारुति स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर पलटी खाकर खाई में गिर गई तथा तस्कर झाड़ियों का फायदा उठाकर फरार हो गए।

केन्द्राधीक्षकों को प्रशिक्षण दिया

अजमेर, (कासं)। पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा-2023 के संबंध में गुरुवार को केन्द्राधीक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी परीक्षा वन्दना खोरवाल ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 1 से 3 दिसम्बर तक दो पारियों में पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा 2023 आयोजित होगी। इसके सफल, निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण आयोजन के लिए परीक्षा से पूर्व की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को जिला कलेक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के माध्यम से समस्त केंद्राधीक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में कलेक्टर लोक बंधु द्वारा परीक्षा में परीक्षार्थियों के प्रवेश के समय उचित एचएचएमडी के माध्यम से फ्रिस्किंग किए जाने एवं अभ्यर्थियों की मूल पहचान पत्रा से प्रवेश देने के निर्देश दिए गए। राजस्थान कर्मचारी बोर्ड द्वारा इस परीक्षा के संबंध में किए गए नवीन परिवर्तनों एवं नवाचारों से भी केंद्राधीक्षकों को अवगत कराया गया। परीक्षा कार्य से जुड़े कार्मिकों एवं अधिकारियों की समूचित ब्रिफिंग कराई गई। उन्होंने बताया कि परीक्षा आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार के प्रकरणों एवं अनियमितताओं में स्वयं के स्तर पर निर्णय लेने के स्थान पर सभी प्रकरणों एवं अनियमितताओं को सचिव राजस्थान कर्मचारी बोर्ड अथवा परीक्षा शाखा कलक्ट्रेट कन्ट्रोल रूम के संज्ञान में लाया जाना चाहिए।

मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच झगड़ा, एक घायल

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज में द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के बीच झगड़ा हो गया। स्टील की रॉड और कड़े से हमले में एक विद्यार्थी घायल हो गया। गंभीर हालत में विद्यार्थी को आईसीयू में भर्ती करवाया गया है। विद्यार्थी के सिर में 4 टांके आए हैं।

डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आईसीयू में भर्ती एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी संजय कुमार सैन ने बताया कि कॉलेज के बाहर निजी हॉस्टल में रहता है। दो दिन पहले उसी के साथ द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाले विद्यार्थी ने उसे हॉस्टल में ही रुकने की धमकी दी। इसके बाद भावेश चौधरी अपने साथियों के साथ हॉस्टल में आया और हॉस्टल की छत पर चलने के लिए कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। इस पर उन्होंने उसके साथ मारपीट की। सीनियर विद्यार्थी ने बीच-बचाव कर छुड़वाया। संजय ने बताया कि मारपीट की वजह से वह डर गया था, जिस वजह से वह कॉलेज जाने के बाद अपने ही दोस्त के साथ कॉलेज के हॉस्टल में रुक गया। मंगलवार रात करीब 11 बजे बाद बिजली गुल होने पर द्वितीय वर्ष के ही उसके साथी मोनिका चौधरी, तुषार चौधरी, रोहित चौधरी और धीरज चौधरी आए। उन्होंने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। उसके सिर पर स्टील की रॉड और कड़े से हमला किया। जिससे उसके सिर से खून बहने लगा और नीचे गिर पड़ा। हॉस्टल में रहने वाले दूसरे विद्यार्थी ने बीच बचाव कर छुड़वाया। इसके बाद उसे गंभीर हालत में डूंगरपुर अस्पताल में लेकर आए। आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू किया। घटना के बाद मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. बाल मुरुगन भी अस्पताल पहुंचे और विद्यार्थी की हालत के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थी ने घटना को लेकर अपने पिता को भी बताया। विद्यार्थी ने बताया कि उसके पिता के आने के बाद ही पुलिस में रिपोर्ट को लेकर कार्रवाई की जाएगी।

हमले में घायल विद्यार्थी को असपताल में भर्ती कराया।

महिला ने आत्महत्या की : - उदयपुर शहर के बड़गांव थाना क्षेत्र में विवाहिता ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार डांगियों की पंचोली देबारी हॉल ब्राम्हणों की हुन्दर मदार निवासी संतोष पत्नी दिनेश वागरिया ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलने पर एसडीएम गिर्वा नीरमा विश्नोई ने मृतका का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। दिनेश एवं सतोष का पांच माह पूर्व विवाह हुआ था।

स्मार्ट सिटी के साथ अजमेर को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने की शुरूआत

27 नवम्बर को भारत सरकार द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की गई है

अजमेर, (कासं)। भारत सरकार के द्वारा शुरू किए गए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को समर्थन देते हुए राजस्थान महिला कल्याण मण्डल (चाचियावास) अजमेर ने बाल विवाह के रोकथाम के प्रयासों को और तेज कर दिया है।

संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने बताया कि हाल ही में 27 नवम्बर को भारत सरकार के द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की गई है। अभियान का उद्घाटन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया है। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल (चाचियावास) अजमेर बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैर सरकारी संगठनों के देशव्यापी गठबंधन "जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन" (जे.आर.सी.) का सहयोगी संगठन है जो कि देश के 417 जिलों में बाल विवाह की रोकथाम एवं जागरूकता के लिए प्रयासरत है। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल के द्वारा भी राज्य के 6 जिलों अजमेर, नागौर, बीकानेर, चुरू, झुन्झुनू, तथा डीडवाना-कुचामन आदि में बाल विवाह, बालश्रम एवं बाल यौन शोषण की रोकथाम के लिए कार्य किया जा रहा है।

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल (चाचियावास) अजमेर ने प्रयासों को तेज किया।

कौशिक ने बताया कि "जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन" का सहयोगी संगठन होने के नाते राजस्थान महिला कल्याण मण्डल भी बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का भरपूर समर्थन करता है। संस्था का प्रयास रहेगा कि कोई भी बालिका स्कूल से ड्रॉप आउट नहीं हो क्योंकि ड्रॉप आउट बालिकाओं का बाल विवाह होने की संभावनाएं अधिक रहती है। साथ ही संस्था के द्वारा बाल विवाह की रोकथाम के लिए आगे आने वाली बालिकाओं को चैम्पीयन के रूप में जिला एवं राज्य स्तर पर सम्मानित कराया जाने का प्रयास भी किया जाएगा।

कार्यक्रम उपनिदेशक नानूलाल प्रजापति ने बताया कि अजमेर जिले में बाल विवाह मुक्त अभियान के समर्थन में जिला प्रशासन के साथ जागरूकता कार्यक्रम से अभियान की शुरूआत करते हुए संध्या के समय 60 गांवों में महिलाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों, समुदाय के लोगों आदि के साथ कैंडल मार्च निकालकर बाल विवाह को बन्द करने के लिए आवाज बुलन्द की गई एवं जागरूकता का माहौल तैयार किया गया।

■ 60 गांवों में कैंडल मार्च निकाल बाल विवाह को बंद करने के लिए आवाज बुलन्द की गई एवं जागरूकता का माहौल तैयार किया

संस्था की मुख्य कार्यकारी क्षमा आर कौशिक ने बाल विवाह मुक्त भारत की शुरूआत के लिए खुशी जाहिर करते हुए कहा कि "जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन" के माध्यम से संस्था के इन प्रयासों को गति मिलेगी साथ ही उन बच्चों को उनका बचपन खुशहाल करने का अवसर प्राप्त होगा जो बाल विवाह की वजह से अंधकारमय भविष्य की और जा रहे थे। बाल विवाह के खात्मे में संस्था का ये प्रयास जिला प्रशासन के साथ निरन्तर रहेगा। जागरूकता कार्यक्रम में संस्था की एक्सेस टू जस्टिस टीम के जिला समन्वयक दीपक कुमार जोरम, काउंसलर ज्योति मण्डरावलिया, फील्ड कोर्डिनेटर योगिता गौड़ तथा मीनू स्कूल एवं सागर कॉलेज की टीम ने सहयोग किया।